RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 292
दि. 23.02.2026, सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

सिंगापुर में सीएम योगी का जलवा: 36 लाख करोड़ की इकोनॉमी के लिए मेगा रोडशो

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 22-24 फरवरी 2026 की सिंगापुर यात्रा राज्य की अर्थव्यवस्था को 36 लाख करोड़ रुपये के लक्ष्य तक पहुँचाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 22 से 24 फरवरी 2026 तक सिंगापुर की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस दौरे का उद्देश्य केवल निवेश जुटाना ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश को दुनिया के नक्शे पर एक 'भरोसेमंद और प्रतिस्पर्धी' बिजनेस डेस्टिनेशन के रूप में ब्रांड करना है। भारत और सिंगापुर के बीच मजबूत होते रणनीतिक रिश्तों के बीच, सीएम योगी का यह दौरा यूपी में डिजिटलाइजेशन, स्किल डेवलपमेंट और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में क्रांति लाने वाला साबित होगा।

उत्तर प्रदेश आज भारत के विकास का इंजन बन चुका है। साल 2024-25 में राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (ऋृउद्ध) लाख करोड़ रुपये रही, जो अब 2025-26 तक लाख करोड़ रुपये के जादुई आंकड़े को छूने की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री योगी निवेशकों को यूपी की 'डिजिटल सिंगल विंडो' प्रणाली की ताकत दिखा रहे हैं, जहाँ लालफीताशाही की जगह 'रेड कार्पेट' ने ले ली है। राज्य की विशिष्ट क्षेत्रीय नीतियां निवेशकों को यह भरोसा दिलाती हैं कि यूपी में उनका पैसा न केवल सुरक्षित है, बल्कि तेजी से बढ़ने वाला है। अपनी इस यात्रा के दौरान सीएम योगी सिंगापुर के शीर्ष नेतृत्व से संवाद कर रहे हैं। राष्ट्रपति थर्मन शनमुगारत्नम, प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग और विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन के साथ होने वाली इन उच्चस्तरीय बैठकों का एजेंडा बहुत स्पष्ट है।

भारत-सिंगापुर के राष्ट्रीय सहयोग को उत्तर प्रदेश की जमीन पर हकीकत में बदलना। यह संवाद यूपी की प्रशासनिक क्षमता और सिंगापुर की तकनीकी विशेषज्ञता को एक मंच पर लाने का जरिया बनेगा।

बनेगा दुनिया का सबसे बड़ा एआई और डेटा हब

योगी सरकार का विजन बिल्कुल स्पष्ट है। उनका ध्यान जेवर में निमार्णाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास 'हाइपरस्केल एआई डेटा सेंटर्स' स्थापित करने पर है। इसके लिए सिंगापुर की दिग्गज कंपनियों को न्योता दिया गया है। साथ ही, एविएशन, एयर कार्गो लॉजिस्टिक्स और ग्रीन एनर्जी जैसे भविष्य के क्षेत्रों में सिंगापुर की महारत का लाभ उठाने के लिए एमओयू (टङ्ग्व२) की तैयारी है। राज्य सरकार चाहती है कि यूपी दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए एक प्रमुख 'लॉजिस्टिक्स गेटवे' बने।

यूपी बनेगा ग्लोबल इन्वेस्टमेंट हब!

वैश्विक दिग्गजों की नजर अब उत्तर प्रदेश पर, इस यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण 'इन्वेस्ट यूपी मेगा रोडशो' है। इस भव्य आयोजन में सिंगापुर के 'सॉवरेन वेल्थ फंड्स' जैसे तामसेक और जीआईसी के साथ-साथ दुनिया के बड़े डेटा सेंटर ऑपरेटर और प्राइवेट इक्विटी फंड्स हिस्सा ले रहे हैं। यह रोडशो उत्तर प्रदेश को दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए निवेश के सबसे अनुकूल गंतव्य के रूप में स्थापित करेगा, जिससे आने वाले समय में लाखों नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

'एआई समिट को गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया...', कांग्रेस के शर्टलेस प्रोटेस्ट पर पीएम मोदी का वार

पीएम मोदी ने आज दिल्ली-मेरठ 'नमो भारत रैपिड रेल' के पूरे 82 किलोमीटर के स्ट्रेच का उद्घाटन किया. इस मौके पर जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने सपा-बसपा और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में विकास योजनाएं भटकती नहीं हैं.

मेरठ, (जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 82 किलोमीटर लंबे दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (फ्ग्र्ळ्ठ्र) के शेष हिस्सों का उद्घाटन किया. उद्घाटन के बाद पीएम ने एक जनसभा को भी संबोधित किया. उन्होंने कहा कि अब योजनाएं लटकती-भटकती नहीं है. साथ ही पीएम ने एआई समिट में कांग्रेस के शर्टलेस प्रोटेस्ट पर भी तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि एक वैश्विक आयोजन को कांग्रेस ने अपनी गंदी राजनीति का अखाड़ा बना दिया.

पीएम ने मेरठ में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ कर जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'आज पहली बार, एक ही मंच से नमो भारत रैपिड रेल और मेट्रो सेवा का एक ही दिन शुभारंभ हो रहा है. विकसित भारत की कनेक्टिविटी कैसी होगी, ये उसकी एक शानदार झांकी है. शहर के अंदर के लिए मेट्रो और ३६ल्ल्ू३८ के विजन को गति देने के लिए नमो भारत जैसी आधुनिक ट्रेन... मुझे संतोष है कि ये काम उत्तर प्रदेश में हुआ है.'

पीएम ने जोर देते हुए कहा कि हमारी कार्य संस्कृति है कि जिस काम का शिलान्यास किया जाए, उसे पूरा करने के लिए दिन-रात एक कर दिया जाए. इसलिए अब परियोजनाएं पहले की तरह लटकती, भटकती नहीं हैं. अब सराय काले खां, आनंद विहार, गाजियाबाद और मेरठ... इन स्टेशनों पर भारतीय रेल, मेट्रो और बस अड्डों को आपस में जोड़ा गया है. देश में ये पहली बार हो रहा है जब एक ही स्टेशन, एक ही ट्रैक पर नमो भारत और मेट्रो रेल चलेगी. यानी एक ही प्लेटफॉर्म से आप शहर के अंदर भी यात्रा कर पाएंगे और उसी स्टेशन से सीधे दिल्ली भी आ-जा सकते हैं.

पीएम ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि पहले यहां शाम होते ही यहां पूरे रूट में सन्नाटा छा जाता था. यहां डर और भय का माहौल होता था. अब एक तरफ कानून-व्यवस्था भी सुधरी है और दूसरी तरफ लोगों को सुविधापूर्ण और सुरक्षित यात्रा का भी माध्यम मिला है. मुझे खुशी है कि नमो भारत रैपिड रेल... ये नारीशक्ति के सामर्थ्य का प्रतीक भी बनी है.

उन्होंने कहा, 'आज भारत मेट्रो के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नेटवर्क बन चुका है. यूपी में मेरठ के अलावा भी कई सारे शहरों में मेट्रो का काम चल रहा है. बीते 11 सालों में देश के दर्जनों शहरों तक मेट्रो पहुंची... क्योंकि भाजपा सरकार देश की जनता को सुविधा देना चाहती है.'

'अकसमिट को बनाया राजनीतिक अखाड़ा'

पीएम ने कांग्रेस के शर्टलेस प्रोटेस्ट की आलोचना करते हुए कहा कि एक तरफ देशवासी भारत को विकसित बनाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, लेकिन देश में ही कुछ राजनीतिक दल हैं जो भारत की सफलता को पचा नहीं पा रहे हैं. अभी आपने देखा कि भारत में दुनिया का सबसे बड़ा अक केस्रूं३ र४३ हुआ, दुनिया भर के 80 से अधिक देशों के प्रतिनिधि दिल्ली आए थे. दुनिया के विकासशील देशों में ऐसा सम्मेलन आज तक कभी नहीं हुआ, लेकिन कांग्रेस और इसके इकोसिस्टम ने भारत के एक वैश्विक आयोजन को अपनी नंगी और गंदी राजनीति का अखाड़ा बना दिया. समारोह स्थल पर विदेशी अतिथियों के सामने कांग्रेस के नेता कपड़े उतार कर पहुंच गए. मैं कांग्रेस वालों से पूछता हूं कि देश तो जानता है कि आप पहले से ही नंगे हो, फिर कपड़े उतारने की जरूरत क्या पड़ी.

पीएम ने कांग्रेस की नीति की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस ने नेताओं ने वहां जो कुछ किया वह दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कितनी दिवालिया, कितनी दरिद्र हो गई है... कांग्रेस तो अपने ही देश को बदनाम करने में जुटी है.

ढट ने कहा कि एआई ग्लोबल समिट बीजेपी का समारोह नहीं था, ये देश का समारोह था, देश के सम्मान का कार्यक्रम था.

590 करोड़ के घोटाले के बाद हरियाणा सरकार का बड़ा फैसला, दो बैंकों पर तत्काल रोक, खाते बंद व राशि तुरंत अन्य अधिकृत बैंकों में स्थानांतरित करें

हरियाणा में 590 करोड़ रुपये की कथित वित्तीय गड़बड़ी से हड़कंप मच गया है. मामला सरकारी खातों से जुड़ा होने के कारण सरकार ने तुरंत सख्त कदम उठाए. दो बैंकों को सरकारी कामकाज से बाहर कर दिया गया है. अब पूरे मामले की गहन जांच और ऑडिट प्रक्रिया शुरू कर दी गई है.

(जीएनएस)।

नई दिल्ली. हरियाणा में 590 करोड़ रुपये के कथित घोटाले के बाद राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. सरकार ने तत्काल प्रभाव से IDFC फर्स्ट बैंक और अव स्मॉल फाइनेंस बैंक को सरकारी कामकाज से बाहर कर दिया है. अब इन बैंकों के जरिए कोई भी सरकारी लेनदेन नहीं होगा. सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने खाते बंद कर शेष राशि तुरंत अन्य अधिकृत बैंकों में स्थानांतरित करें.

हरियाणा सरकार के वित्त विभाग ने जारी सर्कुलर में साफ कहा है कि अगली सूचना तक इन दोनों बैंकों में सरकारी धन न जमा होगा, न निवेश और न ही किसी तरह का ट्रांजैक्शन किया जाएगा. विभागों, बोर्डों, निगमों और पीएसयू को तुरंत कार्रवाई करने को कहा गया है. साथ ही यह भी निर्देश दिया गया है कि फिक्स्ड डिपॉजिट और अन्य खातों का मासिक मिलान अनिवार्य रूप से किया जाए. 31 मार्च 2026 तक सभी खातों का मिलान पूरा कर 4 अप्रैल 2026 तक प्रमाणित रिपोर्ट सौंपनी होगी.

दरअसल IDFC First Bank ने अपनी नियामकीय फाइलिंग में खुलासा किया कि चंडीगढ़ शाखा के जरिए संचालित हरियाणा सरकार से जुड़े कुछ खातों में लगभग 590 करोड़ रुपये की अनियमितता पाई गई है. बैंक के अनुसार, प्राथमिक जांच में पता चला है कि कुछ कर्मचारियों ने बिना अनुमति के लेनदेन किए. मामला तब उजागर हुआ जब एक सरकारी विभाग ने अपने खाते बंद कर दूसरी बैंक में राशि ट्रांसफर करने का अनुरोध किया और बैलेंस में अंतर दिखा.

बैंक ने कहा है कि शुरूआती जांच में मामला सिर्फ कुछ सरकारी खातों तक सीमित नजर आ रहा है और अन्य ग्राहकों पर इसका असर नहीं है. जांच पूरी होने तक चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है. बैंक ने संदिग्ध खातों में शेष राशि पर रोक लगाने के लिए संबंधित बैंकों को रिकॉल नोटिस भेजा है. साथ ही फॉरेंसिक ऑडिट के लिए स्वतंत्र एजेंसी नियुक्त की गई है और वैधानिक ऑडिटरों को भी सूचित कर दिया गया है.

वित्त विभाग ने यह भी पाया कि कई मामलों में जिन रकम को उच्च ब्याज वाले फिक्स्ड डिपॉजिट में रखना था, उसे बचत खाते में ही रखा गया.

मधुबनी: लूट की बाइक और 1.2 किलोग्राम गांजा के साथ दो गिरफ्तार

मधुबनी, बिहार में मधुबनी जिले की पुलिस ने लौकहा थाना क्षेत्र से लूटी गई बाइक और 1.2 किलोग्राम गांजा बरामद कर दो अभियुयुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने

रविवार को बताया कि 17 फरवरी को लौकहा थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपराही के समीप हथियार का भय दिखाकर एक बाइक लूट ली गई थी। पीड़ित द्वारा लौकहा थाना में लिखित आवेदन दिया गया था। जिसके आधार पर लौकहा थाना कांड संख्या-33/26 दर्ज कर विधि-सम्मत कार्रवाई प्रारंभ की गई।.

'मुझसे गलती हुई है, मुझे रामभद्रचार्य को जेल भेजना चाहिए था', शंकराचार्य पर एफआईआर को लेकर भड़के अखिलेश यादव

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को भाजपा पर हमला बोलते हुए शंकराचार्य विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि 20 साल पुरानी बातों को उछालकर शंकराचार्य का अपमान करने की कोशिश की जा रही है. शिकायतकर्ता रामभद्रचार्य जी का शिष्य है, तो मुझसे गलती हुई है कि मैंने कभी रामभद्रचार्य पर जो मुकदमा था, वह वापस लिया था. मुझे उन्हें जेल भेज देना चाहिए था.

लखनऊः (जीएनएस)।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को भाजपा के कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हुए भारतीय जनता पार्टी और राज्य सरकार पर जोरदार हमला बोला. उन्होंने शंकराचार्य से जुड़े कथित विवाद और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा. अखिलेश यादव ने कहा, 'शिकायतकर्ता रामभद्रचार्य जी का शिष्य है, तो मुझसे गलती हुई है कि मैंने कभी रामभद्रचार्य पर जो मुकदमा था, वह वापस लिया था. मुझे उन्हें जेल भेज देना चाहिए था'.

अखिलेश ने कहा, 'शंकराचार्य कई दिनों तक धरने पर बैठे रहे, उस समय सर्दी चरम पर थी. हमारे सनातनी व्यवस्था में कहीं किसी शंकराचार्य को स्नान से रोका नहीं गया होगा, लेकिन यह पहली बार हुआ है कि उन्हें स्नान से भी रोका गया. अब यह सरकार शंकराचार्य को अपमानित करने के लिए 20 साल पुरानी घटना ढूंढकर लाई है.

अखिलेश यादव ने कहा कि 20 साल पुरानी बातों को उछालकर शंकराचार्य का अपमान करने की कोशिश की जा रही है. उन्होंने जगतगुरु रामभद्राचार्य का नाम लेते हुए कहा कि उनके खिलाफ पहले दर्ज 420 के मुकदमे को वापस लेना उनकी गलती थी. हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि रामभद्राचार्य जी के बारे में व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं की जानी चाहिए. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शंकराचार्य से 'सर्टिफिकेट' मांग रही है, जबकि उनके पास खुद का कोई प्रमाण नहीं है.

विकास बनाम 'भ्रष्टाचार की पाइपलाइन'

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सरकार बचने वाली नहीं है, जनता ने इसे अस्वीकार कर दिया है, बस वोट का इंतजार है. उनकी सरकार ने गोमती और हिंडन नदियों की सफाई के लिए काम शुरू किया था, लेकिन वर्तमान सरकार विकास से 'नफरत' करती है. उन्होंने आरोप लगाया कि अंडरग्राउंड पाइपलाइन के नाम पर 'भ्रष्टाचार की पाइपलाइन' बिछाई जा रही है, जो बुंदेलखंड से लखनऊ तक सीधी जा रही है.

जापान यात्रा को लेकर क्या बोले अखिलेश यादव

सपा प्रमुख ने महाभारत में पात्र कर्ण को लेकर बयान देते हुए कहा कि जब कर्ण को कहा गया कि तुम शूद्र हो, तब कर्ण ने यह बात कही थी, हमारे मुख्यमंत्री बिष्ट जी पता ही नहीं है कहा क्या बोलना है. किसी चापलूस अधिकारी ने उनसे कह दिया कि जापान चलो उसका जापान जाने का मन था, तो वह जापान जा रहे हैं.

बुलेट ट्रेन परियोजना की लागत बढ़ने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पहले यह एक करोड़ थी, अब दो करोड़ हो गई है. उन्होंने जापान दौरे पर भी तंज कसते हुए कहा कि जापान जा रहे हैं, लेकिन क्योटो नहीं जा रहे. अखिलेश यादव ने भाजपा पर फर्जी और एडिटेड वीडियो चलाकर नफरत फैलाने का आरोप लगाया. उन्होंने 2014 की घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि ऐसे मामलों में निर्दोष लोगों को जेल तक जाना पड़ा.

बिहार परिवहन विभाग हर महीने काट रहा 6 करोड़ का चालान

बिहार के राष्ट्रीय राजमार्गों पर ई-डिटेक्शन सिस्टम से हर माह औसतन छह करोड़ रुपये के चालान काटे जा रहे हैं।

(जीएनएस)।

पटना। बिहार से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) पर लगाए गए ई-डिटेक्शन सिस्टम के जरिए हर माह औसत छह करोड़ रुपये का चालान काटा जा रहा है।

टोल प्लाजा से गुजरने वाले वाहनों के फिटनेस, बीमा और प्रदूषण प्रमाण-पत्र के अपडेट नहीं रहने पर आटोमैटिक ई-चालान काटा जा रहा है।

अभी तक राज्य के 32 टोल-प्लाजा ई-डिटेक्शन से लैस थे, जल्द ही 9 और टोल प्लाजा को ई-डिटेक्शन से लैस किया जाएगा। परिवहन विभाग ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है।

परिवहन विभाग ने राज्य में अगस्त 2024 में टोल-प्लाजा पर ई-डिटेक्शन सिस्टम से चालान काटे जाने की प्रक्रिया की शुरूआत की थी।

आंकड़ों के मुताबिक टोल प्लाजा पर सितंबर, 2025 तक एक लाख 49 हजार 490 चालान जारी किए गए है, जिसके अंतर्गत करीब 80 करोड़ रुपये का जुमार्ना वाहन मालिकों पर लगाया गया है। इसमें करीब एक चौथाई चालान ही जमा हो पाया है।

परिवहन विभाग ने चालान नहीं जमा करने वाले वाहन चालकों को चिह्नित कर कार्रवाई का निर्देश सभी जिला परिवहन पदाधिकारियों (डीटीओ) को दिया है।

यह प्रणाली राष्ट्रीय स्तर पर संचालित राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआइसी) के तकनीकी सहयोग से जुड़ी है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बोले- शंकराचार्य को फंसा रही सरकार, यह सनातन का अपमान

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय रविवार को शाहजहांपुर पहुंचे। उन्होंने यहां कांग्रेस के जिलाध्यक्ष के आवास में प्रेसवार्ता की। इस दौरान अजय राय ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा।

शाहजहांपुर , (जीएनएस)।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से पहले भी मंत्री विदेश गए। उसके बाद भी कोई निवेश नहीं आया। नए कारखाने आने के बजाय पुरानी फैक्टरी बंद हो रही हैं। बदायूं के दातागंज जाते समय कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता के आवास पर रुके प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने रविवार को भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने जम्मू कश्मीर के राज्यसभा सांसद के शाहजहांपुर में निधि देने पर कहा कि भाजपा के लोग भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। आरोप लगाया कि लोकायुक्त ने भाजपा के एक विधायक को घूस लेते पकड़ा।

यूजीसी पर बोले कि पहले मंदिर-मस्जिद के नाम पर लड़ाने वाली भाजपा अब हिंदुओं को लड़ाने का काम कर रही है। नफरत की राजनीति कर जनता को गुमराह किया जा रहा है। बदायूं में अल्पसंख्यकों को पीटा जा रहा है। बड़े काम गुजरात के ठेकेदारों को दिए जा रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने शंकराचार्य पर रिपोर्ट दर्ज होने के आदेश पर कहा कि शंकराचार्य सभी के पूज्यनीय हैं। सरकार शंकराचार्य व उनके शिष्यों को फंसा रही है। यह पूरे सनातन और देशवासियों का अपमान है।

एआई समिट में युवा कांग्रेस के प्रदर्शन को प्रदेश अध्यक्ष ने ठीक बताया। कहा कि यूनिवर्सिटी ने चीनी रोबोट को अपना बता दिया। इस झूठ को आइना दिखाने पर युवा कांग्रेस के कार्यकताओं को प्रताड़ित किया गया। झांसी व ललितपुर में कार्यकताओं पर अत्याचार किया और झूठ बोलने वालों पर अब तक सरकार ने कार्रवाई नहीं की। प्रेसवार्ता के दौरान सीतापुर के सांसद राजेश राठौर, जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता, तकवीम हसन खां, अशफाक उल्ला खां, पवन सिंह, अनूप वर्मा, धर्मेंद्र दीक्षित, गौरव त्रिपाठी, शोभित मिश्रा, फुरकान कुरैशी आदि मौजूद रहे।

युवक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रामजी अवस्थी ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को भगवान परशुराम का प्रतीकात्मक फरसा देकर अभिनंदन किया। राय ने कहा कि फरसा देकर स्वागत करना न केवल सांस्कृतिक सम्मान है, बल्कि पार्टी को जिले में नई धार और ऊर्जा प्रदान करने का प्रतीकात्मक संदेश भी है। इससे पहले युवाओं ने उनका फूल माला पहनाकर स्वागत किया।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का काफिला रविवार दोपहर करीब एक बजे पहुंचा। यहां नगराध्यक्ष जाने आलम ने कार्यकताओं के साथ आंबेडकर पार्क के पास जोरदार स्वागत किया। कार्यकताओं ने उन्हें रोककर फूल-मालाएं पहनाईं और जोरदार नारेबाजी के साथ स्वागत किया।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीनजी ने अहमदाबाद के खाड़िया स्थित विरासत (हेरिटेज) के प्रतीक देसाई की पोल में बूथ कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का 131वां एपिसोड देखा

जिस स्थान से भाजपा की नींव मजबूत होना शुरू हुई, ऐसे हेरिटेज क्षेत्र खाड़िया में उपस्थित रहकर बूथ कार्यकर्ताओं के साथ 'मन की बात' कार्यक्रम देखने का अनुभव यादगार और अविस्मरणीय है – श्री नितिन नवीन जी

पोल में उपस्थित निवासियों और कार्यकर्ताओं के परिजनों से बड़े उत्साह और उमंग के साथ मुलाकात करते श्री नितिन नवीन जी

श्री नितिन नवीनजी ने सफाई कामगार भाई को अपना खेस पहनाकर उनके सेवा कार्य की प्रशंसा की और सम्मानित किया

देसाई की पोल के घरों के द्वारों पर खड़े नागरिकों ने गगनभेदी जयघोष के साथ श्री नितिन नवीन जी का अभिवादन किया

बूथ अध्यक्ष, वार्ड अध्यक्ष, शहर अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष एक साथ बैठकर इस तरह कार्यक्रम देखें, यह केवल भाजपा में ही संभव है – श्री जगदीशभाई विश्वकर्मा

गुजरात प्रदेश भाजपा मीडिया विभाग की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी ने आज अहमदाबाद के खाड़िया स्थित विरासत (हेरिटेज) के प्रतीक देसाई की पोल में भारतीय जनता पार्टी के बूथ कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदीजी के जनसंवाद कार्यक्रम 'मन की बात' का 131वां एपिसोड देखा। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री जगदीशभाई विश्वकर्मा, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री बी.एल. संतोष जी, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री रत्नाकर जी और कर्णावती महानगर भाजपा अध्यक्ष श्री प्रेरकभाई शाह उपस्थित रहे।

इस अवसर पर श्री नितिन नवीन जी ने बूथ कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करते हुए कहा कि, आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी की भूमि पर, जहाँ भाजपा की नींव रखी गई, ऐसे हेरिटेज क्षेत्र खाड़िया में उपस्थित रहकर बूथ कार्यकर्ताओं के साथ 'मन की बात' कार्यक्रम देखने का अनुभव यादगार और अविस्मरणीय है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम का संवाद हमेशा प्रेरणादायी होता है।

'मन की बात' कार्यक्रम के समापन के बाद श्री नितिन नवीन जी ने पोल में उपस्थित निवासियों और कार्यकर्ताओं के परिजनों से बड़े उत्साह के साथ मुलाकात की और नागरिकों के अभिवादन को स्वीकार किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने वहां उपस्थित एक सफाई कामगार भाई को अपना खेस पहनाकर उनके सेवा कार्य की सराहना की और उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने देसाई की पोल के घरों के दरवाजों पर उनका स्वागत करने के लिए खड़े बुजुर्गों को नमन कर उनके आशीर्वाद लिए। उपस्थित जनमेदनी ने श्री नितिन नवीन जी के इस विनम्र और सरल व्यवहार का गगनभेदी जयघोष के साथ स्वागत किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री जगदीशभाई विश्वकर्मा ने कहा कि; बूथ अध्यक्ष, वार्ड अध्यक्ष, शहर अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष एक साथ बैठकर इस प्रकार कार्यक्रम देखें, यह केवल भारतीय जनता पार्टी में ही संभव है। आज हेरिटेज सिटी अहमदाबाद की ऐतिहासिक पोल संस्कृति के सान्निध्य में बूथ कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम देखने का अनुभव आनंददायी और कार्यकर्ताओं से संवाद करने का एक सुनहरा अवसर रहा।

सूरत के लिंबायत जोन के इंजीनियर विपुल गणेशवाला के खिलाफ एसीबी की शिकायत के बाद भूमिगत हो गए

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) सूरत

सूरत नगर निगम के लिंबायत जोन में कार्यकारी अभियंता के पद पर कार्यरत विपुल गणेशवाला और उनके साथी पत्रकार परवाना के खिलाफ एसीबी ने मामला दर्ज किया है। परवाना 4 लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गया है और विपुल गणेशवाला भी उसके साथ ही फरार है।

शून्य त्रुटि एजेंसी

सदर गणेशवाला के बारे में कहा जाता है कि विपुल गणेशवाला, जिस पर पत्रकार इस्माइल उर्फ परवाना को बिचौलिए के रूप में इस्तेमाल करके, उससे पहले सेवा दे चुकी महिला कार्यकारी अभियंता द्वारा ध्वस्त किए गए सभी अवैध ढांचों को ध्वस्त करवाने के लिए पैसे कमाने का आरोप है, पर भवन मालिकों से बड़ी रकम की उगाही करने का भी आरोप है।

एक तरफ तो शहर में अवैध इमारतों के निर्माण को लेकर तक्षशिला जैसा घोटाला चल रहा है, वहीं दूसरी तरफ इससे सबक लेने के बजाय, मनमाने ढंग से बन रही इन अवैध संपत्तियों को पत्रकारों के हाथों में सौंपकर अपने स्वार्थों को पूरा किया जा रहा है। कहा जाता है कि भ्रष्ट इंजीनियर गणेशवाला के शासनकाल में लिंबायत इलाके में करीब 40 से 50 अवैध शिक्षण भवन बनाए गए थे, जो पत्रकार परवाना और गणेशवाला की मिलीभगत से फल-फूल रहे हैं।

यह भी जानकारी मिली है कि लिंबायत, नवगाम और डिंडोली के पार्षदों की लापरवाही या डर के कारण कई लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इतना ही नहीं, गणेशवाला ने इस महानगर के बौद्धिक माफिया की तरह करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार करके करोड़ों की संपत्ति और गाड़ियां हासिल कर ली हैं। इसके अलावा, गणेशवाला के बेटे की शादी पर भी डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुके हैं। अगर नगर निगम के अधिकारी जागरूक और सक्रिय होते, तो गणेशवाला ऐसा करने की हिम्मत नहीं करता। यहां सवाल उठता है कि इस क्षेत्र के पार्षदों को किसका डर सता रहा था कि वे चुप रहे?

इतना ही नहीं, यह मानना भी गलत नहीं होगा कि लिंबायत इलाके में रहने वाला एक साधारण दो कमरों वाला रसोईघर का मालिक भी गणेशवाला की गतिविधियों से अच्छी तरह वाकिफ होगा।

हद तो तब पार हो गई जब लिंबायत के पूर्व भाजपा पार्षद को भी निर्माण कार्य के लिए उत्पीड़न और लूट का सामना करना पड़ा और उन्हें अपनी संपत्ति बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा। इससे ज्यादा शर्मनाक और क्या हो सकता है? विश्वसनीय सूत्रों से यह भी पता चला है कि गणेशवाला ने लिंबायत में अवैध निर्माणों की जानकारी हासिल करने के लिए कई बिचौलियों को काम पर रखा है।

इस प्रकार, धन की अपनी भूख को शांत करने के लिए, गणेशवाला ने अंततः पाप का घड़ा भर दिया और कानूनी दस्तावेजों के साथ मौजूदा घरों को भी ध्वस्त करने के नोटिस जारी करके और संपत्ति मालिकों से बड़ी रकम वसूल करके उसे फाड़ डाला।

फिर बस इतना ही कहना काफी है कि एसीबी को विपुल गणेशवाला की आय, उनके बेटे की शादी पर करोड़ों रुपये के खर्च, बैंक लॉकर, नकदी और गहने, घर, वाहन आदि की गहन जांच करके एक मिसाल कायम करनी चाहिए और इस भ्रष्ट व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा देनी चाहिए। तभी भ्रष्टाचार का अंत होगा।

लखनऊ की भूलभुलैया और अमीनाबाद की गलियों तक पहुंचेगी मेट्रो, ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर को ग्रीन सिग्नल, ऐतिहासिक धरोहरों के बीच अंडरग्राउंड ट्रेन

(जीएनएस)।

पुराने लखनऊ की ऐतिहासिक और तंग गलियों में रहने वालों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है. लखनऊ मेट्रो के दूसरे चरण (चारबाग से वसंत कुंज) के निर्माण को केंद्र सरकार से हरी झंडी मिल गई है, जिससे नवाबी शहर के पुराने इलाकों में सफर करना अब बेहद आसान और जाम-मुक्त हो जाएगा.

लखनऊ चारबाग से वसंतकुंज तक प्रस्तावित ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कारिडोर के लिए भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आर्थिक कार्य विभाग ने 2,883.93 करोड़ रुपये के वा' ऋण को स्वीकृति प्रदान कर दी है. उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन के उस प्रस्ताव को यह मंजूरी मिली है, जिसमें न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) से ऋण लेने का प्रस्ताव किया गया था।

ये लोन भारत सरकार की संप्रभु गारंटी के साथ लिया जाएगा. पहली बार मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए यूपीएमआरसी ने एनडीबी से लोन लिया है अब तक यूरोपियन इनवेस्टमेंट बैंक से मेट्रो निर्माण का ऋण लिया जाता था

कुल अनुमानित लागत 5,801.05 करोड़

लखनऊ मेट्रो के ईस्टझवेस्ट कारिडोर परियोजना की कुल अनुमानित लागत 5,801.05 करोड़ रुपये है. इसमें 50 प्रतिशत केंद्र व राज्य सरकार अपना अंश देंगी और बाकी यूपीएमआरसी ऋण के रूप में लेगा. वढटफ्ठ ने ठब्ङ को ऋण के लिए प्रस्ताव भेजा था. इस प्रस्ताव पर आर्थिक कार्य विभाग की अध्यक्षता में आयोजित स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में चर्चा की गई.

रूट पर कितने स्टेशन

ईस्टझवेस्ट कारिडोर लखनऊ मेट्रो परियोजना के फेजझ1बी के अंतर्गत प्रस्तावित है. दूसरे चरण (ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर) की लंबाई लगभग 11.16 किलोमीटर होगी. इस रूट पर कुल 12 स्टेशन होंगे, जिनमें से 7 स्टेशन भूमिगत और 5 स्टेशन एलिवेटेड होंगे. यह कारिडोर पुराने लखनऊ के घनी आबादी वाले क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा.

यात्रियों को सुगम इंटरचेंज सुविधा

साथ ही चारबाग स्टेशन पर यह मौजूदा नार्थझसाउथ कारिडोर से जुड़ेगा, जिससे यात्रियों को सुगम इंटरचेंज सुविधा मिलेगी. यूपीएमआरसी ने एलिवेटेड सेक्शन, डिपो के निर्माण के लिए दो प्रमुख सिविल निर्माण टेंडर पहले ही जारी कर दिए हैं.

रूट मैप

यह कॉरिडोर चारबाग से शुरू होकर गौतम बुद्ध मार्ग, अमीनाबाद, पांडेगंज, सिटी रेलवे स्टेशन, मेडिकल कॉलेज (चौक) और ठाकुरगंज होते हुए वसंत कुंज (दुबग्गा रोड) तक जाएगा.

धरोहरों का सम्मान

पुराने लखनऊ की संकरी गलियों और ऐतिहासिक इमारतों को बचाने के लिए मेट्रो का अधिकतर हिस्सा जमीन के नीचे (टनल के जरिए) बनाया जाएगा. लेख में दी गई ये जानकारी सामान्य स्रोतों से इकट्ठा की गई है. इसकी प्रामाणिकता की जिम्मेदारी हमारी नहीं है.एआई के काल्पनिक चित्रण का जी यूपीयूके हूबहू समान होने का दावा या पुष्टि नहीं करता.

सीएम योगी बोलेः एआई के साथ डीप टेक का भी नेतृत्व करेगा यूपी, लखनऊ में शुरू हुआ IBM का नया सेंटर

(जीएनएस)।

लखनऊ। सीएम योगी ने राजधानी में स्थापित आईबीएम एआई गोवटेक इनोवेशन सेंटर का उद्घाटन करने के बाद कहा कि प्रदेश एआई सेक्टर में अग्रणी होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी डीप टेक, एआई व क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में अग्रणी बनने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। डिजिटल इंडिया, आयुष्मान भारत और डीबीटी की सफलताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि तकनीक के प्रभावी उपयोग से शासन की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री रविवार को राजधानी में स्थापित आईबीएम एआई गोवटेक इनोवेशन सेंटर का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग तथा आईबीएम के बीच हुए एमओयू के लिए आईबीएम इंडिया के सीईओ डॉ. अरविंद कृष्ण और उनकी पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के इस इनीशिएटिव को आगे बढ़ाने के लिए स्वयं यहां आकर अपना सकारात्मक योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि गत वर्ष आईआईटी कानपुर में डीप टेक पर आधारित कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के दौरान आईआईटी कानपुर के डायरेक्टर बात हुई। अब हम लोग मेडटेक पर मिलकर काम कर रहे हैं। यूपी के हालिया बजट में रोबोटिक्स में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए धनराशि की व्यवस्था की गई है। इससे पहले ड्रोन टेक्नोलॉजी के लिए भी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए सरकार ने बजट में व्यवस्था की थी।

सीएम ने तकनीक और एआई टूल के उपयोग से इंसेफलाइटिस जैसे रोग के खत्म करने के अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने डाटा कलेक्ट करके विश्लेषण करके इस रोग को जड़ खत्म करने में सफलता पाई है। इसी तरह एजुकेशन में बच्चियों ड्रॉप आउट की समस्या की एआई टूल से विश्लेषण किया गया तो पता चला कि स्कूलों में शौचालय का न होना ही मूल समस्या है। इस पर सरकार ने हर स्कूल में बालक और बालिकाओं के लिए अलग-अलग टॉयलेट और पेयजल की व्यवस्था करके स्कूलों में ड्रॉप आउट रेट को शून्य करने में सफल हुए हैं।

आईबीएम से कहा-करें हमारा सहयोग

सीएम ने लखनऊ को एआई सिटी के रूप में विकसित करने के संकल्प को दोहराते हुए इसमें आईबीएम से सहयोग की अपील भी की। उन्होंने कहा हमें क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए काम करना है। इसे लेकर उत्तर प्रदेश की दावेदारी मजबूत है। क्योंकि देश का पहला कंप्यूटर आईबीएम ने ही कानपुर आईआईटी में स्थापित किया था। क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए आईआईटी कानपुर नोएडा वाले कैंपस में सहयोग करने को तैयार है। हम सहयोग करने को तैयार है। आईबीएम तैयार है। तीनों मिलकर इस पहल को आगे बढ़ाएंगे।

इस दौरान दौरान आईबीएम और यूपी सरकार के साथ दो समझौते हुए। आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के साथ मिलकर यह सेंटर विभिन्न विभागों में एआई आधारित उपयोगों को विकसित करेगा और भिन्न-भिन्न विभागों में डिजिटल व एआई क्षमता को मजबूत करेगा। स्कूल शिक्षा निदेशालय के साथ मिलकर कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों और शिक्षकों के लिए एआई साक्षरता कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर आईबीएम के चेयरमैन अधिकारी अरविंद कृष्णा तथा साउथ एशिया के प्रबंध निदेशक संदीप पटेल, आईआईटी कानपुर के निदेशक मनिन्द्र अग्रवाल मौजूद रहे।

राफेल लड़ाकू विमान पर रोडमैप तैयार, 50% टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर अड़े भारतीय वातार्कार, फ्रांसीसी अधिकारी झुके

(जीएनएस)।

सफ्रान के साथ M88 टबोर्फैन इंजन के स्थानीय विनिर्माण और असेंबली पर गंभीर चर्चा चल रही है। इसके लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरी है। इंजन पर बात बन सकती है।

राफेल लड़ाकू विमान सौदे पर दस्तखत होने में कितना समय लगेगा?

पेरिसः भारत और फ्रांस के अधिकारी 114 राफेल लड़ाकू विमान पर सौदा तय करने के लिए जमकर माथा पच्ची कर रहे हैं। बिल्कुल उसी तरह से सौदेबाजी हो रही है जैसे दिल्ली के सरोजनी नगर मार्केट में कपड़े खरीदते वक्त होती है। पिछले दिनों नवभारत टाइम्स से बात करते हुए नौसेना के एक पूर्व अधिकारी ने, जो रूस के साथ एक मिलिट्री हार्डवेयर (बड़े सौदे) में शामिल थे, उन्होंने कहा था कि ये बातचीत भी उसी तरह से होती है जैसे सब्जी खरीदते वक्त की जाती है। एक एक प्वाइंट पर कई कई राउंड में बैठक। इस तरह के डिफेंस डील में आखिरी जीत उसी की होती है जो सबसे ज्यादा धैर्य दिखाता है। इसीलिए दोनों ही देशों के अधिकारियों के धैर्य की परीक्षा हो रही है।

फ्रांसीसी अखबारों का कहना है कि भारत की पहली शर्त ही मेक इन इंडिया है और चूंकी फ्रांसीसी कंपनी पहली बार देश से बाहर अपनी फैसिलिटी खोलने जा रही है, इसलिए काफी हिचकिचाहट है। फ्रांस से बाहर राफेल का प्रोडक्शन शुरू करने में कई अधिकारियों को एतराज भी है, लेकिन अरबों डॉलर की डील हाथ से बाहर जाने नहीं देना चाहते। इसीलिए बातचीत चल रही है। माना जा रहा है कि अभी कम से कम एक साल और बातचीत में लगेगा। अगले साल मार्च-अप्रैल तक राफेल पर सौदेबाजी पूरी हो सकती है।

भारत की रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) से राफेल सौदे को मंजूरी मिल

चुकी है। रक्षा मंत्रालय में हथियारों की खरीद-बिक्री की जिम्मेदारी संभाल चुके रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल संजय वर्मा से नवभारत टाइम्स ने इस पूरी प्रक्रिया को समझने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि रक्षा समझौते होना काफी जटिल और कई महीनों और कई सालों तक चलने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि जैसे ऊअउ से मंजूरी मिलने के बाद अब तकनीकी मूल्यांकन समिति (TEC) इसकी जांच करेगी। इसके बाद फिर कैबिनेट कमिटी ऑन सिक्योरिटी (CCS) से सौदे को मंजूरी लेनी होगी। CCS से फाइनेंशियल मंजूरी मिलती है और उसके बाद जाकर ही आखिरी समझौते पर दस्तखत किए जाते हैं।

संजय वर्मा ने कहा कि भारत में ये चरण कई महीनों तक चलने वाली प्रक्रिया है और कई बार डिफेंस डील में इस वजह से देरी हो जाती है, लेकिन ये जरूरी है। जैसे राफेल को लेकर भारत हर हाल में मेक इन इंडिया चाहता है। राफेल अगर भारत में बनता है तो लड़ाकू विमानों को लेकर एक इको-सिस्टम डेवलप होगा, जिसका असर अगले कई दशकों तक देखने को मिलेगा। फ्रांसीसी अखबार ले मोंडे ने इस डील को लेकर लिखा है कि "यह फ्रांसीसी डिफेंस फर्मों के लिए एक बड़ी कामयाबी है, जिनका बिजनेस मॉडल काफी हद तक एक्सपोर्ट पर निर्भर करता है। लेकिन यह एक चुनौती भी है, क्योंकि भारतीय अधिकारी देश में और ज्यादा इन्वेस्टमेंट और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर को पक्का करने के लिए पक्का इरादा दिखा रहे हैं।" इसने ये भी बताया है कि फ्रांसीसी अधिकारी 'भारत को बड़ी छूट देने को तैयार हैं।'

रिपोर्ट के मुताबिक, राफेल बनाने वाली कंपनी डसॉल्ट ने लोकल मैन्युफैक्चरिंग के लिए करीब 40% टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का ऑफर रखा है, लेकिन बातचीत में शामिल भारतीय अधिकारी 50 प्रतिशत से कम पर तैयार नहीं हैं। भारतीय अधिकारी अड़े हुए हैं। ये घरेलू इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए जरूरी है। कई सारी बातों पर अभी और माथापच्ची करना बाकी है जैसे टेक्निकल ओवरसाइट कमेटी (TOC) के दौरान डसॉल्ट को एक पूरा रोडमैप बनाना होगा, भारतीय प्रोडक्शन के लिए तय इक्विपमेंट की एक डिटेल्ड लिस्ट तैयार करनी होगी, इसमें शामिल पार्टनर कंपनियों की तलाश करनी होगी और हर एक को टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का सही लेवल क्या होगा, ये तय करना होगा। कुल मिलाकर ये काफी सख्त चेकलिस्ट है जिसका मकसद यह पक्का करना है कि 50% टेक्नोलॉजी ट्रांसफर सिर्फ कागजों पर ना रहे।

भारत में बनेगा फ्यूजलेज- एक बात जो तय हो चुका है वो ये कि राफेल का पूरा फ्यूजलेज भारत में ही बनाया जाएगा, जिसमें टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (TASL) एक अहम खिलाड़ी के तौर पर आगे आ रहा है। एक ऐसी कंपनी के लिए जो पहले से ही ग्लोबल एयरोस्पेस सप्लाई चेन में गहराई से जुड़ी हुई है, यह एक बहुत बड़ी छलांग होगी। एयरक्राफ्ट के सबसे मुश्किल और स्ट्रक्चर के हिसाब से जरूरी हिस्सों में से एक को यहीं अपने देश में संभालना एक बड़ा कदम है।

इंजन पर बातचीत- सफ्रान के साथ M88 टबोर्फैन इंजन के स्थानीय विनिर्माण और असेंबली पर गंभीर चर्चा चल रही है। इसके लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरी है।

झारखंड में निकाय चुनाव की तैयारियां पूरी, विभिन्न जिलों के डिस्पैच सेंटर्स से रवाना हुए मतदानकर्मी, मतदान 23 को

रांची, 22 फरवरी (वार्ता) झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में अल्पसंख्यकों एवं उलेमाओं के साथ हो रही कथित हिंसा और अपमान की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की है।.

मानदेय बढ़ोतरी से झूमे शिक्षा मित्र, खुशी की लहर

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने विधानसभा सदन में शिक्षा मित्रों को बड़ी सौगात देते हुए उनका मानदेय 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 18 हजार रुपये प्रतिमाह करने की घोषणा की है। यह बढ़ा हुआ मानदेय 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा।

सरकार के इस फैसले के बाद शिक्षा मित्रों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। लंबे समय से मानदेय वृद्धि की मांग कर रहे शिक्षा मित्रों ने इसे अपने संघर्ष और धैर्य का सकारात्मक परिणाम बताया है। आठ हजार रुपये की बढ़ोतरी से हजारों परिवारों को आर्थिक मजबूती मिलने की उम्मीद है।

सरकार के इस फैसले से शिक्षा मित्र संघ के जिला अध्यक्ष इंद्रजीत यादव ब्लाक संरक्षक अवनींद्र बहादुर सिंह,दिनेश कुमार यादव,धर्मेंद्र कुमार त्रिपाठी ,नागेंद्र कुमार निषाद जिला मीडिया प्रभारी,राम सुभग पाण्डेय, अब्दुल कलाम, पन्नालाल यादव, महेश प्रसाद, अशोक कुमार गुप्ता, अर्जुन राय, संतोष कुमार दुबे, अंबिका प्रसाद, रफीक अहमद आदि ने खुशी व्यक्त की है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

नवसर्जन संस्कृति

सम्पादकीय

शुरूआती शिक्षा यदि अपनी भाषा में मिले तो ज्ञान अधिक प्रभावी

मातृभाषा का संरक्षण : पहचान और अस्तित्व की रक्षा, आँकड़े बताते हैं कि प्राथमिक शिक्षा यदि मातृभाषा में न हो तो बच्चों की संज्ञानात्मक क्षमता और सीखने की गति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इतना ही नहीं, इंटरनेट की दुनिया में 50% से अधिक सामग्री केवल अंग्रेजी में है। मातृभाषा का संरक्षण : पहचान और अस्तित्व की रक्षा 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है। वास्तव में यह दिवस दुनिया भर में भाषाई और सांस्वृतिक विविधता को बढ़ावा देने के साथ ही साथ विभिन्न मातृभाषाओं के संरक्षण के महत्व को समझाने के लिए सर्मपित है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह दिवस मातृभाषाओं के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने, भाषाई विविधता और बहुभाषावाद को प्रोत्साहित करने, शिक्षा में मातृभाषा के महत्व को उजागर करने तथा लुप्त होती भाषाओं के प्रति जागरूकता पैलाने के ाम में मनाया जाता है। पाठक जानते हैं कि मातृभाषा केवल संचार का ही माध्यम नहीं होती है, बल्कि यह व्यक्ति की पहचान, उसकी सनातन संस्वृति, परंपराओं और सोच का मुख्य आधार होती है। नेल्सन मंडेला का यह मानना था कि-यदि आप किसी व्यक्ति से उस भाषा में बात करते हैं जिसे वह समझता है, तो वह उसके दिमाग में जाती है। यदि आप उससे उसकी मातृभाषा में बात करते हैं, तो वह उसके दिल तक पहुँचती है।' बहरहाल, यहां पर यदि हम मातृभाषा के महत्व की बात करें तो मातृभाषा का महत्व अत्यंत व्यापक और गहरा होता है, क्योंकि यही भाषा व्यक्ति के जीवन की पहली सीख, भावनाओं की अभिव्यक्ति और सोचने-समझने का आधार बनती है। मातृभाषा के माध्यम से बच्चे दुनिया को आसानी से समझते हैं, इसलिए शुरूआती शिक्षा यदि अपनी भाषा में मिले तो ज्ञान अधिक प्रभावी ढंग से ग्रहण होता है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। यह भाषा व्यक्ति को उसकी संस्वृति, परंपराओं और पहचान से जोड़ती है तथा सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाती है। मातृभाषा का संरक्षण केवल एक भाषा को बचाना नहीं, बल्कि पूरी सांस्वृतिक विरासत को सुरक्षित रखना है और यही भी कारण है कि यूनेस्को सहित विश्व भर की संस्थाएँ मातृभाषाओं के संरक्षण और उपयोग पर विशेष जोर देती हैं। बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि आज बच्चे अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करते हैं तो उनकी समझ, रचनात्मकता और आत्मविश्वास अधिक मजबूत होता है। बहरहाल, यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास की बात करें तो इस दिवस की शुरूआत यूनेस्को ने वर्ष 1999 में की थी और वर्ष 2000 से इसे वैश्विक स्तर पर मनाया जाने लगा। वास्तव में, इस दिवस को मनाने की प्रेरणा 1952 में बांग्लादेश (तत्कालीन पूवा पाकिस्तान) में हुए भाषा आंदोलन से जुड़ी है, जब बांग्लादेश की राजधानी ढाका में छात्रों ने अपनी मातृभाषा बांग्ला को आधिकारिक मान्यता दिलाने के लिए आंदोलन किया और कई छात्र शहीद हुए। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कनाडा में रहने वाले एक बांग्लादेशी रफीवुल इस्लाम ने 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाने का सुझाव दिया था। हर वर्ष इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस (21 फरवरी) की पिछले साल और इस साल की थीम व्रमशः 'सतत विकास के लिए भाषाओं को महत्वपूर्ण बनाएं (वर्ष 2025 की थीम) तथा बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज़'(वर्ष 2026 की थीम) रखी गई है। इस साल यानी कि वर्ष 2026 की थीम का मतलब यह है कि शिक्षा प्रणाली में कई भाषाओं, विशेष रूप से मातृभाषा, के महत्व को लेकर युवाओं के विचारों, उनके अनुभवों तथा विभिन्न सुझावों को महत्व दिया जाए। सरल शब्दों में कहें तो इस थीम का उद्देश्य यह बताना है कि जब बच्चों को शुरूआती शिक्षा (विशेषकर प्राथमिक शिक्षा) उनकी अपनी भाषा में मिलती है तो उनकी समझ बेहतर होती है, उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और सीखने में रुचि भी अधिक रहती है।

'मिलता तबे न लोगवा हिलऽता', भाजपा विधायक के इस बयान के आईने में समझिए बिहार की शराबबंदी

बिहार में शराबबंदी कानून लागू है। लेकिन सियासी दलों की नजरों में भी होम डिलीवरी चल रही है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी से लेकर जन सुराज के प्रशांत किशोर तक। इन नेताओं ने गाहे- बगाहे शराबबंदी कानून की उपयोगिता पर सवाल उठाते रहे हैं। ताजा मामला सत्तापक्ष में बैठी बीजेपी के एक विधायक के बयान का है। उन्होंने इस कानून पर तंज कसा है।

बिहार शराबबंदी कानून(फोटो- नवभारतटाइम्स.कॉम)

पश्चिम चंपारण: : जमीन पर पुलिस। श्वान दस्ता। उत्पाद विभाग की पुलिस। आसमान में ड्रोन और पानी में विशेष धावा दल। ये उपाय बिहार में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू कराने के लिए एक्टिव किए गए हैं। 1 अप्रैल, 2016 से बिहार में शराबबंदी लागू है। कुल मिलाकर पूर्व शराबबंदी के 10 साल हो गए। लेकिन बिहार में शराबबंदी लागू होने के बाद से कभी सफल नहीं हुई। जहरीली शराब से सैकड़ों लोगों की मौत। लगातार हो रही भारी मात्रा में तस्करी। जब, जहां और जैसे चाहें, जिस स्थान पर चाहें आपको शराब आसानी से मिल जाएगी। बिहार में शराबबंदी कानून शराब माफियाओं के लिए अमृतकाल बनकर आई। उन्होंने तस्करी से हजारों करोड़ का एक अलग आर्थिक सम्राज्य खड़ा करने का काम किया है। इतना ही नहीं, अब सरकार के भीतर से यानी सत्तापक्ष की ओर से शराबबंदी कानून की उपयोगिता पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

शराबबंदी कानून की समीक्षा क्यों?

बिहार विधानसभा में शराबबंदी कानून की समीक्षा को लेकर सवाल खड़े हुए। उसके बाद पश्चिमी चंपारण के लौरिया से बीजेपी विधायक विनय बिहारी ने कहा है कि शराब मिलता, तबे ना लोगवा हिलता। शराब ना मिली तो लोगवा ना हिली। उन्होंने भोजपुरी में शराबबंदी कानून पर तंज कसते हुए खुद की सरकार को आईना दिखाने का काम किया है। विनय बिहारी ने आगे कहा कि जब मिलता, बिकाता, लोग जेलो जाता ओकरा बादो यदि सुधार नईखे त सरकार के अपना फैसला पर विचार करे के चाहीं। (जब शराब मिल रहा है। बिक रहा है। लोग जेल जा रहे हैं। उसके बाद भी सुधार नहीं है, तो सरकार को अपने फैसले पर विचार करना चाहिए) उन्होंने यहां तक कहा कि सरकार यदि शराबबंदी कानून लागू नहीं कर पा रही है, तो इसे पूरी तरह खत्म कर देना चाहिए। ध्यान रहे कि इससे पहले प्रशांत किशोर ने सरकार में आते ही सबसे पहले शराबबंदी को खत्म करने की बात कही थी।

बीजेपी विधायक का सवाल?

विनय बिहारी ने साफ कहा कि प्रतिबंध है, उसके बाद भी शराब की अवैध बिक्री जारी है। बिहार में सूखा नशा और ड्रग्स की खेप आ रही है। नशे की अन्य प्रवृतियां भी बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि जब मैं किसी शादी या बारात में जाता हूं, तो आधे से ज्यादा लोग शराब का सेवन किए हुए मिलते हैं। उन्होंने उसके बाद भोजपुरी में कहा कि मिलता तबे न ई लोगवा हिलता। (मिल रहा है, तभी तो लोग हिल रहे हैं)। विनय बिहारी अश्लील गानों पर सरकार के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इससे संस्कृति और भोजपुरी की रक्षा होगी। उन्होंने कहा कि सरकार को इस दिशा में ठोस और कठोर कदम उठाना चाहिए। विनय बिहारी ने शराब के मसले पर साफ कहा कि बंदी मतलब बंदी। सही तरीके से बंद किया जाए। सरकार को अपने इस फैसले पर विचार करना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री कर चुके हैं मांग

ध्यान रहे कि इससे पूर्व केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने बिहार में शराबबंदी कानून की समीक्षा की मांग करते हुए थोड़ा बहुत पीने वालों को परेशान नहीं करने और एकाध पौवा लेकर घर जाने वालों को नहीं पकड़ने की वकालत की थी। जीतन राम मांझी ने यहां तक कहा था कि बिहार के अधिकारी शराब पीते हैं। उन्होंने कहा कि होम डिलीवरी जारी है। पड़ोसी राज्यों से शराब आ रही है। इसका असर दलित समुदाय पर रो रहा है। शराबबंदी कानून की समीक्षा को लेकर आवाज उठने लगी है। बीजेपी विधायक और सरकार में बैठे लोग इसको लेकर सवाल उठाने लगे हैं। वैसे में कहा जा रहा है कि आने वाले दिनों में सरकार इसे लेकर समीक्षा कर सकती है।

पीएम मोदी समझौता कर चुके हैं, उनका विश्वासघात अब उजागर हो गया है', कांग्रेस

कांग्रेस ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए शनिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व्यापार समझौते पर अमेरिका से दोबारा बातचीत नहीं कर सकते और वह फिर से समर्पण कर देंगे।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वैश्विक शुल्क को खारिज कर दिया, जिससे ट्रंप के आर्थिक एजेंडे को बड़ा झटका लगा है।न्यायाधीशों ने बहुमत के फैसले में कहा कि संविधान बहुत स्पष्ट रूप से अमेरिकी कांग्रेस (संसद) को कर लगाने की शक्ति देता है, जिसमें शुल्क भी शामिल है।

पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, "प्रधानमंत्री समझौता कर चुके हैं। उनका विश्वासघात अब उजागर हो गया है। वह (व्यापार समझौते पर) दोबारा बातचीत नहीं कर सकते। वह फिर से समर्पण कर देंगे।"

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "बिना सिर-पैर वाली विदेश नीति या एकतरफा समर्पण? जिस "ट्रैप डील" ने भारत से भारी रियायतें लीं, मोदी सरकार ने उसमें फंसने से पहले शुल्क पर अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले का इंतजार क्यों नहीं किया?"

बागपतः पत्नी का भतीजे से अफेयर, थाने में कराई गई दोनों की शादी र्फ्ीं टङ्ग्श्ी बागपतः पत्नी का भतीजे से अफेयर, थाने में कराई गई दोनों की शादी

उन्होंने कहा, "संयुक्त वक्तव्य में भारत को होने वाले कई अमेरिकी नियार्तों पर शून्य शुल्क की बात कही गई है जिससे भारतीय कृषि क्षेत्र का द्वार अमेरिकी वस्तुओं के लिए खुल जाएगा। साथ ही, 500 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के अमेरिकी सामान आयात करने की योजना, हमारी ऊर्जा सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने वाले रूसी तेल की खरीद पर रोक लगाने की प्रतिबद्धता और डिजिटल मोर्चे पर कई कर रियायतों की बात संयुक्त वक्तव्य में कही गई है।"

उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि भारत के राष्ट्रीय हित और रणनीतिक स्वायत्तता से समझौता करने के लिए उन पर किसने दबाव डाला? क्या यह एप्स्टीन फाइलें थीं?"उन्होंने सवाल किया कि क्या भारत सरकार अपनी गहरी नींद से जागेगी और एक निष्पक्ष व्यापार समझौता करेगी जो 140 करोड़ भारतीय नागरिकों के आत्मसम्मान और हमारे किसानों, श्रमिकों, छोटे व्यवसायों और व्यापारियों के हितों की रक्षा करेगा?

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि यह समझौता एक कठिन परीक्षा की तरह बन गया है जिसका सामना देश को प्रधानमंत्री के आत्मसर्मपण के कारण करना पड़ रहा है। रमेश ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए यह सवाल भी किया कि ऐसी क्या मजबूरी थी कि प्रधानमंत्री मोदी ने सुनिश्चित किया कि दो फरवरी 2026 की रात राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ही भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा करें?

बिहार सरकार ने वैभव सूर्यवंशी के लिए खोला खजाना, सीएम नीतीश कुमार ने थमाया 50 लाख का चेक, मिली लग्जरी कार

(जीएनएस)।

अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप 2026 के हीरो और बिहार के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी इन दिनों चचाओं में बने हुए हैं। रविवार को उनके गृह राज्य में जबरदस्त तरीके से स्वागत किया गया। जिम्बाब्वे की धरती पर भारत को छठा विश्व खिताब दिलाने के बाद पटना पहुंचे वैभव पर इनामों और सम्मान की बौछार हुई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य सरकार की ओर से उन्हें 50 लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान की।

वैभव को मिला 50 लाख रुपये का चेक

रविवार शाम 4 बजे मुख्यमंत्री आवास के संकल्प सभागार में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वैभव को 50 लाख रुपये का चेक भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, खेल मंत्री श्रेयसी सिंह और मंत्री विजय चौधरी भी उपस्थित थे। सरकार ने वैभव की इस उपलब्धि को बिहार के खेल इतिहास का उज्जवल भविष्य करार दिया।

पटना एयरपोर्ट पर लगी फैंस की भीड़

इससे पहले जब वैभव पटना एयरपोर्ट पहुंचे तो हजारों फैंस ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसी दौरान टाटा मोटर्स की ओर से उन्हें एक नई लग्जरी कार उपहार में दी गई। इस भावुक क्षण में वैभव के पिता और परिवार के अन्य सदस्य भी उनके साथ मौजूद थे। वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले में जो पारी खेली, उसने क्रिकेट जगत के कई पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए।

वैभव ने खेली थी 80 गेंदों पर 175 रनों की विस्फोटक पारी

महज 14 वर्ष की आयु में वैभव ने 80 गेंदों पर 175 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 15 चौके और 15 छक्के शामिल थे। उनकी इस पारी की मदद से भारत ने 411 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया और इंग्लैंड को 100 रनों से हराकर खिताब जीता। अंडर-19 विश्व कप फाइनल के इतिहास में 175 रन किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर है। उन्होंने राज बावा (162*) का रिकॉर्ड तोड़ा।

उन्होंने अपनी पारी के 150 रन केवल चौकों और छक्कों से बनाए, जो यूथ वनडे में एक नया विश्व कीर्तिमान है। एक ही विश्व कप संस्करण में 30 छक्के जड़कर उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस (18 छक्के) का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। वैभव अब भारत के लिए अंडर-19 क्रिकेट में सर्वाधिक रन (1412 रन) बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

सुपर -8 में बुरी तरह फ्लाप हुई भारतीय क्रिकेट टीम

टी20 विश्व कप के सुपर-8 मुकाबले में आज दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 187 रन बनाए। भारतीय गेंदबाजों ने शुरूआत में शिकंजा कसा था, लेकिन अंतिम ओवरों में अफ्रीकी बल्लेबाजों ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर एक चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा कर दिया। टीम इंडिया लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रही और अफ्रीका ने 76 रनों से मैच जीत लिया।

दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत बेहद खराब रही। कप्तान एडेन मार्करम (4) और क्विंटन डी कॉक (6) सस्ते में पवेलियन लौट गए। इसके बाद डेविड मिलर ने मोर्चा संभाला और भारतीय गेंदबाजों की जमकर क्लास ली। मिलर ने मात्र 35 गेंदों में 180 के स्ट्राइक रेट से 63 रनों की धुआंधार पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 3 छक्के शामिल थे।

उनका साथ युवा डेवाल्ड ब्रेविस ने दिया, जिन्होंने 29 गेंदों में 45 रन बनाए। पारी के अंत में ट्रिस्टन स्टब्स ने मात्र 24 गेंदों में नाबाद 44 रन जड़कर टीम को 187 के स्कोर तक पहुंचाया।

भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने अपने कोटे में शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। अर्शदीप सिंह को 2 सफलताएं मिलीं, जबकि शिवम दुबे और वरुण चक्रवर्ती ने 1-1 विकेट लिया। भारत को अब जीत के लिए 188 रनों की जरूरत है।

जवाब में खेलते हुए भारत की खराब शुरूआत रही। टीम इंडिया के ओपनर ईशान किशन बिना खाता खोले आउट हुए। उनके बाद अभिषेक शर्मा 15 और तिलक वर्मा 1 रन बनाकर आउट हो गए। पावरप्ले में ही टीम इंडिया ने अपने 3 अहम विकेट गंवा दिए। इसके बाद दो विकेट और गिरे और 51 के स्कोर पर आधी भारतीय टीम आउट हो गई।

हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे ने साझेदारी करने का प्रयास किया लेकिन दोनों तेज रन बनाने में नाकाम रहे। पांड्या 18 रन बना चलते बने। उनके बाद रिंकू सिंह 2 गेंद खेलकर चलते बने और भारत के 7 खिलाड़ी आउट हो गए, इसी ओवर में अर्शदीप भी आउट हो गए और भारत की हार पक्की हो गई। शिवम दुबे ने 37 गेंदों में 42 रन बनाए और 19वें ओवर में 111 पर आउट होकर टीम इंडिया 76 रनों से हार गई। यानसेन ने 4 और केशव महाराज ने 3 विकेट झटके।

कमेंट्री बॉक्स में सुंदर पिचाई, कमेंटेटर्स की सैलरी देख उड़े होश, सिलिकॉन वैली के सीईओ भी छूटे पीछे

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जा रहे सुपर-8 मुकाबले में उस वक्त रोमांच दोगुना हो गया, जब गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई अचानक कमेंट्री बॉक्स में नजर आए। सिलिकॉन वैली में दुनिया को अपनी उंगलियों पर नचाने वाले पिचाई का क्रिकेट प्रेम किसी से छिपा नहीं है, लेकिन आज उन्हें माइक्रोफोन थामे देख भी दंग रह गए।

चेन्नई की गलियों से निकलकर अमेरिका की सिलिकॉन वैली तक का सफर तय करने वाले सुंदर पिचाई ने कमेंट्री के दौरान रवि शास्त्री के साथ बातचीत की। उनका दिल आज भी भारतीय क्रिकेट के लिए धड़कता है। कमेंट्री करते हुए पिचाई ने करोड़ों भारतीयों का दिल जीत लिया।

सिलिकॉन वैली के कई उएड से ज्यादा कमाते हैं कमेंटेटर्स

हैरानी की बात यह है कि जहां अमेरिका में सिलिकॉन वैली के कई दिग्गज सीईओ अपनी 'बेस सैलरी' (आधार वेतन) के नाम पर महज 1 डॉलर या बहुत कम राशि लेते हैं, वहीं क्रिकेट कमेंटेटर्स की एक दिन की कमाई लाखों में है। गूगल के सुंदर पिचाई स्वयं कई वर्षों तक सांकेतिक वेतन लेते रहे हैं (हालांकि उनका अधिकांश हिस्सा स्टॉक ऑप्शंस में होता है)।

इसके विपरीत, भारत के दिग्गज कमेंटेटर्स जैसे रवि शास्त्री और सुनील गावस्कर प्रति मैच या प्रति दिन के 6 से 10 लाख रुपये तक चार्ज करते हैं। यदि हम इनके सालाना 100 दिनों के काम का हिसाब लगाएं, तो यह आंकड़ा 10 से 12 करोड़ रुपये के पार चला जाता है। यह एक अनुमान है, राशि इससे ऊपर भी जा सकती है।

आईपीएल से हो जाती है करोड़ों की कमाई

सिलिकॉन वैली के कई उभरते हुए स्टार्टअप्स के सीईओ या वह दिग्गज जो अपनी कंपनी के शेयरों पर निर्भर हैं (जैसे ट्विटर के पूर्व सीईओ जैक डॉर्सी या मार्क जुकरबर्ग जो केवल $1 वेतन लेते थे), उनकी 'कैश इनकम' की तुलना में हमारे देश के टॉप कमेंटेटर्स कहीं आगे नजर आते हैं। आईपीएल (IPL) जैसे सीजन में तो हर्षा भोगले, आकाश चोपड़ा और सुनील गावस्कर जैसे नाम मात्र 2 महीनों में 3 से 5 करोड़ रुपये तक की कमाई कर लेते हैं। यह स्थिति दशार्ती है कि डेटा और टेक्नोलॉजी की दुनिया के राजा सुंदर पिचाई जब कमेंट्री बॉक्स में बैठते हैं, तो उनके बगल में बैठे लोग भी कमाई के मामले में किसी 'ग्लोबल सीईओ' से कम नहीं हैं।

सुंदर पिचाई की कितनी सैलरी

गूगल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई की सालाना कमाई मुख्य रूप से उनके वेतन और स्टॉक पुरस्कारों पर आधारित होती है। साल 2024 के लिए उनका कुल मुआवजा लगभग 10.7 मिलियन डॉलर (करीब 90 करोड़ रुपये) रहा। इसमें उनका फिक्स्ड बेस वेतन 2 मिलियन डॉलर (करीब 16 करोड़ रुपये) है, जबकि बाकी की राशि स्टॉक ऑप्शंस, बोनस और अन्य सुविधाओं के रूप में दी जाती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जान को खतरा! ईरान को चेतावनी के बीच रिसॉर्ट में घुसा हथियारबंद, मारा गया

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फ्लोरिडा स्थित आलीशान मार-ए-लागो रिसॉर्ट में रविवार तड़के एक बड़ा सुरक्षा उल्लंघन हुआ। एक 20 साल के श्वेत व्यक्ति ने शॉटगन और ईंधन के डिब्बे के साथ प्रतिबंधित क्षेत्र में घुसपैठ की, जिसके बाद सीक्रेट सर्विस एजेंटों और पाम बीच काउंटी शेरिफ के डिप्टी ने मुठभेड़ में उसे गोली मारकर मार गिराया।

घटना के समय ट्रंप वाशिंगटन में थे और रिसॉर्ट पर कोई श्क्ब मौजूद नहीं था। यह घटना ऐसे वक्त हुई है, जब ट्रंप ईरान को कड़ी चेतावनी दे रहे हैं और टैरिफ झटकों से अंतरराष्ट्रीय तनाव बढ़ रहा है। आइए जानते हैं ट्रंप पर कब-कब हमले हुए...

स्थानीय समयानुसार रविवार तड़के करीब 1:30 बजे, फ्लोरिडा के पाम बीच में स्थित मार-ए-लागो रिसॉर्ट (टं१-अ-छॅङ्ग फी२ङ्ग१३) के उत्तरी गेट के पास संदिग्ध को देखा गया। वह रिसॉर्ट की आंतरिक सुरक्षा घेरे में घुस गया। संदिग्ध व्यक्ति के पास शॉटगन और पेट्रोल का कंटेनर था। अधिकारियों ने उसे सामान छोड़ने का आदेश दिया। उसने कंटेनर तो फेंक दिया, लेकिन बंदूक फायरिंग पोजिशन में उठा ली।

सीक्रेट सर्विस एजेंटों और शेरिफ डिप्टी ने खतरा भांपते हुए गोली चलाई। संदिग्ध की मौके पर ही मौत हो गई। उसकी पहचान परिवार को सूचित करने तक गोपनीय रखी गई है। किसी एजेंट या डिप्टी को चोट नहीं आई। सीक्रेट सर्विस ने बयान में कहा कि घटना में दो फेडरल एजेंट सीधे शामिल थे। संदिग्ध के पास पेट्रोल कंटेनर की पुष्टि हुई है।

FBI, सीक्रेट सर्विस और पाम बीच काउंटी शेरिफ मिलकर जांच कर रहे हैं। फोरेंसिक सबूत जुटाए जा रहे हैं। शेरिफ रिक ब्रैडशॉ ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि हम संदिग्ध का बैकग्राउंड, मोटिव और हरकतों की जांच कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों से उउळश फुटेज शेयर करने की अपील की गई है। यह घटना ट्रंप की सुरक्षा में सेंध की नई कड़ी है, जो उनके राजनीतिक स्टैंड और अंतरराष्ट्रीय विवादों से जुड़ी हो सकती है।

मार-ए-लागो रिसॉर्ट क्या है?

मार-ए-लागो ट्रंप का निजी क्लब और निवास है, जिसे 'विंटर व्हाइट हाउस' भी कहा जाता है। 1920 के दशक में समुद्रतटीय संपत्ति के रूप में बनाया गया। ट्रंप ने 1985 में 126 कमरों वाली यह प्रॉपर्टी खरीदी और रेनोवेट कराई। 17 एकड़ में फैला है। इसमें थिएटर, स्पा, प्राइवेट क्लब की सुविधाएं। सालाना 1.5 लाख डॉलर से ज्यादा रेवेन्यू जनरेट करता है। ट्रंप यहां राजनीतिक बैठकें, फंडरेजर और डिप्लोमैटिक गेस्ट्स होस्ट करते हैं। यह उनकी सुरक्षा का संवेदनशील जोन है। ट्रंप पर जानलेवा हमलों की टाइमलाइन

ट्रंप पर यह तीसरा बड़ा खतरा है। पहले के हमलेः-

13 जुलाई 2024 - पेंसिल्वेनिया रैलीः बटलर फार्म शो ग्राउंड्स में भाषण के दौरान थॉमस मैथ्यू क्रूक्स ने गोली चलाई। ट्रंप के कान के पास लगी, लेकिन सीक्रेट सर्विस ने बचाया। हमलावर को स्नाइपर ने मार गिराया। एक दर्शक मारा गया, कई घायल।

15 सितंबर 2024 - फ्लोरिडा गोल्फ कोर्सः ट्रंप इंटरनेशनल गोल्फ क्लब में रयान वेस्ले राउथ अङ-47 स्टाइल राइफल के साथ छिपा मिला। सीक्रेट सर्विस ने उसे गिरफ्तार किया। राउथ को लाइफ इम्प्रिजनमेंट की सजा मिली।

22 फरवरी 2026 - मार-ए-लागो रिसॉर्टः आज की घटना, जहां घुसपैठिए को गोली मारी गई। ट्रंप वहां नहीं थे, लेकिन यह असैसिनेशन अटेम्प्ट की तरह देखा जा रहा है।

ये घटनाएं ट्रंप की कड़ी विदेश नीति से जुड़ी हो सकती हैं।

ईरान को ट्रंप की कड़ी चेतावनी और टैरिफ कनेक्शन

यह घटना ऐसे समय हुई जब ट्रंप ईरान को चेतावनी दे रहे हैं। 'बोर्ड ऑफ पीस' की बैठक में ट्रंप ने कहा था कि ईरान को मजबूत समझौता करना होगा, वरना बुरी चीजें होंगी। अगले 10 दिनों में पता चलेगा। इससे पहले ट्रंप ने ईरान के प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई को लेकर सैन्य एक्शन की धमकी दी थी। ओमान की मध्यस्थता में अप्रत्यक्ष बातचीत चल रही है।

नाबालिक किशोरी से दुष्कर्म व कथित धर्मांतरण के आरोप में युवक गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया

खखरेरू /फतेहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिक किशोरी के साथ दुष्कर्म एवं कथित धर्मांतरण के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजने की कार्रवाई की है

पुलिस के अनुसार महताब आलम उर्फ चांद उम्र लगभग 24 वर्ष पुत्र मसरूर अहमद उर्फ मस्सू को मुखबिर की सूचना पर पनिहा बाबा चौराहे के पास से गिरफ्तार कर आरोपी के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर उसे न्यायालय में पेश किया गया जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजने का आदेश दिया गया

मामले में 13 फरवरी को पीड़ित परिवार ने थाने में तहरीर देखकर आरोप लगाया था कि उसकी नाबालिक पुत्री से आरोपी पिछले करीब 6 माह से संपर्क में था बताया गया कि आरोपी के पिता की किराना की दुकान पीड़ित परिवार के घर के सामने स्थित है जहां किशोरी अक्सर सामान लेने जाया करती थी

परिजनों का आरोप है कि इसी दौरान युवक किशोरी को बहला फुसला कर उसके साथ दुष्कर्म किया तथा धर्मांतरण के लिए दबाव बनाया शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की थी।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बुशरा रही अव्वल

सलोंन रायबरेली' राज्य स्तरीय आयोजित (रडत्र्) इंटरनेशनल इंग्लिश ओलिंपियाड (क्एड)में प्रतिभाग कर बुशरा शेख अलहम्द पब्लिक स्कूल रायबरेली ने 95% अंक हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है बताते चलें कि बुशरा शेख मोहम्मद वसीम प्रधान अध्यापक प्राथमिक विद्यालय गौवा बाजार निवासी पुरे राम प्रसाद (पूरे जोधी)खतियारा सलोन ने यह परिलब्धि कड़ी मेहनत के बाद हासिल की 60 प्रश्नों में 57 प्रश्नों के सटीक उत्तर देकर बेटी ने 95 फीसद अंक हासिल कर उत्तर प्रदेश में 12 वां

स्थान प्राप्त किया है' जिसे उसे ङ्क्लं' टीं' ङ्क्र१ड्ढ३ल्लू३ङ्कल्ल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया' सलोन क्षेत्र में बेटी की इस परलब्धि पर खुशी का माहौल है' बेटी के साथ- साथ पिता और उसके परिजन को क्षेत्र वासी बधाई दे रहे हैं' बधाई देने वालों में पूर्व सभासद इसरार हैदर रानू ,सेवानिवृत शिक्षक मोहम्मद इस्माइल खान, डॉक्टर साधना शर्मा ,अजय सिंह मोहम्मद कासिम हुनर, के साथ-साथ पूरे शिक्षा विभाग ने बेटी की सफलता पर मोहम्मद वसीम को बधाई दी और उसके उज्जवल भविष्य की कामना की है

एसटीएफ लखनऊ के डिप्टी एसपी डीके शाही को मिला राष्ट्रीय जिम्मेदारी

74वीं ऑल इंडिया पुलिस वॉलीबॉल चैंपियनशिप में जूरी कमेटी सदस्य नामित

लखनऊ। स्पेशल टास्क फोर्स उत्तर प्रदेश लखनऊ में तैनात यूपी एसटीएफ के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट पुलिस उपाधीक्षक धर्मेन्द्र कुमार शाही को 74वीं ऑल इंडिया पुलिस वॉलीबॉल चैंपियनशिप में टेक्निकल डेलिगेट जूरी कमेटी सदस्य के रूप में भाग लेने की

अनुमति प्रदान की गई है। यह प्रतियोगिता तिरुवनंतपुरम केरल में 21 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक आयोजित होगी। इस संबंध में कार्यालय पुलिस उपमहानिरीक्षक एसटीएफ उत्तर प्रदेश द्वारा आदेश जारी किया गया। अधिकारियों के अनुसार यह नियुक्ति उत्तर प्रदेश एसटीएफ के लिए गौरव का विषय है और इससे राज्य की पुलिस की पेशेवर पहचान राष्ट्रीय स्तर पर और सुदृढ़ होगी।

रस्तोगी स्वास्थ्य परामर्श केंद्र में वृह्द रक्तदान शिविर 26 को

महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रस्तोगी करेंगे शिविर का उद्घाटन

लखनऊ, खालाबाजार स्थित रस्तोगी स्वास्थ्य परामर्श केंद्र में बृहस्पतिवार 26 फरवरी 2026 को लखनऊ हरिश्चंद्र वंशीय समाज की ओर से रक्त दान शिविर का आयोजन होना है। जिसको मार्ग दर्शन देने एवं संचालित करने के लिए किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) से विशेषज्ञों की टीम आएगी। शिविर में रक्तदान करने के लिए लगभग 60 लोगों ने अपना पंजीकरण कराया। " स्तोगी स्तोगी " समाज के संरक्षक हरी जीवन रस्तोगी, समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव रस्तोगी एवं समाज के महामंत्री प्रदीप रस्तोगी ने बताया कि शिविर का उद्घाटन अखिल भारतीय हरिशचन्द्र वंशीय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रस्तोगी करेंगे। उन्होंने बताया कि रस्तोगी स्वास्थ्य परामर्श केंद्र के संक्षिप्त परिचय से कृपया अवगत हो लें। यह गत 17 वर्षों से समाज को निःशुल्क चिकित्सीय सेवाएं प्रदान कर रहा है। प्रतिदिन योग्य चिकित्सकों द्वारा लगभग 300 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें परामर्श दिया जाता है।

एलोपैथिक दवाएं 3 दिन की एवं होम्योपैथिक दवाएं 7 दिन की निशुल्क दी जाती हैं। यहां एक ही छत के नीचे एलोपैथिक, होम्योपैथिक, आयुर्वेदिक, फीजियोथेरेपी, न्योरोपैथिक, नेत्र एवं दांत संबंधी चिकित्सा उपलब्ध है। यहां पर डिजिटल एक्स-रे एवं ईसीजी की सुविधा भी उपलब्ध है। " यहां पर प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को विशाल निःशुल्क चिकित्सीय शिविर आयोजित होता है, जिसमें विशेषज्ञ डाक्टर मरीजों का परीक्षण कर परामर्श देते हैं। " संस्था के संदर्भ में-लखनऊ हरिश्चंद्र वंशीय समाज दीर्घ काल से शैक्षणिक, स्वास्थ्य, सामाजिक, साहित्यिक एवं धार्मिक कार्यों में निष्ठा से योगदान दे रहा है। शैक्षणिक क्षेत्र में एक प्रोफेशनल डिग्री कालेज सहित 10 विद्यालयों का संचालन कर रहा है। रस्तोगी स्किल डेवलपमेंट एवं स्टार्ट अप कमेटी छात्रों को छात्रवृत्ति देकर उनको आगे पढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। " स्वास्थ्य क्षेत्र में मूलचंद रस्तोगी औषधालय, हरिओम सेवा केंद्र एवं रस्तोगी स्वास्थ्य परामर्श केंद्र के माध्यम से समाज को उत्कृष्ट चिकित्सीय सेवाएं प्रदान कर रहा है तो धार्मिक कार्यों में, अनेक मंदिरों की स्थापना के साथ उनमें सेवाएं भी दे रहा है। लखनऊ शहर में एवं बाहर अनेक धर्मशालाओं का निर्माण कराया है। पूर्व में एक प्रख्यात सामाजिक संस्था मदन मोहन रस्तोगी हिन्दू एसोसिएशन ने पुस्तकालय, वाचनालय एवं जिम की सुविधा प्रदान की। नाट्य क्षेत्र में उत्कृष्ट सहभागिता के साथ साथ वालीबाल, ब्रिज, शतरंज एवं कैरम की प्रतियोगिताएं आयोजित कीं। हरिश्चंद्र दर्पण समिति, लखनऊ द्वारा सामाजिक त्रैमासिक पत्रिका रोहिताश्व पत्र का प्रकाशन गत 15 वर्षों से अबोध हो रहा है। यह पत्रिका सामाजिक चेतना को जागृत करने एवं समरसता स्थापित करने के लिए प्रयत्नशील है। " समाज की महिला विंग "सुहासिनी" महिलाओं के साथ साथ समाज को विशेषज्ञ डाक्टरों से रुबरु कराने के अतिरिक्त साइबर क्राइम एवं डिजिटल अरेस्ट के विरुद्ध सजग कर रही है। " 26 फरवरी को रक्तदान कर एक प्रमाण पत्र प्राप्त करें। आवश्यकता पड़ने पर केजीएमयू से उसके बदले निशुल्क रक्त प्राप्त किया जा सकता है।

मेहनतकश को मिले देश के संसाधनों में अधिकार

लेबर कोड आधुनिक गुलामी के दस्तावेज

तीरथराज यादव अध्यक्ष और तेजधारी गुप्ता मंत्री चुने गए

ठेका मजदूर यूनियन का ओबरा में हुआ 23 वां जिला सम्मेलन

ओबरा (सोनभद्र)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से देश में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी बढ़ेगी और इस समय कार्यरत बहुत सारे लोग नौकरियों से हाथ धो बैठेंगे। ऐसी स्थिति में लोगों की आजीविका की सुरक्षा के लिए देश के संसाधनों में मेहनतकशों के अधिकार को सुनिश्चित करना होगा। यह बातें आज ओबरा में आयोजित ठेका मजदूर यूनियन के 23 वें जिला सम्मेलन में मुख्य वक्ता पूर्व श्रमबंधु दिनकर कपूर ने कही।

उन्होंने कहा कि देश के संसाधनों पर चुनिंदा पूंजी घरानों का कब्जा हो गया है। देश में असमानता आजादी से पूर्व से भी ज्यादा बढ़ गई है। देश की आय भी कुछ लोगों के हाथ में संकेन्द्रित होती जा रही है। जो संविधान के अनुच्छेद 39 का पूर्णतया उल्लंघन है। आज कॉर्पोरेट-हिंदुत्व-राज्य का संश्रय मजदूर, किसान, आम जनता के हितों और लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला कर रहा है। ऐसी स्थिति में सिर्फ मांग और पूर्ति आधारित ट्रेड यूनियन आंदोलन नहीं बल्कि मेहनतकशों का एक राजनीतिक आंदोलन खड़ा करने की जरूरत है। उम्मीद है कि यह सम्मेलन इस दिशा में आगे बढ़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट के हाल में आए निर्णय जिसमें कहा गया कि न्यूनतम मजदूरी दी जाएगी तो मलिक काम नहीं देगें और ट्रेड यूनियनों के कारण उद्योग बंद हुए हैं, पर बात रखते हुए दिनकर कपूर ने कहा कि दरअसल पूंजीपतियों के उत्पादन को जारी रखने के लिए श्रम शक्ति की नितांत आवश्यकता है। न्यूनतम मजदूरी इस श्रम शक्ति के जिंदा रहने की अनिवार्य शर्त है। यदि यह भी लोगों को नहीं मिला तो आने वाले समय में उत्पादन भी बुरी तरह प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि ट्रेड यूनियनों ने नहीं बल्कि सरकारों ने पूंजीपतियों के मुनाफे के लिए सरकारी उद्योगों को बंद किया या बेचा है। प्रदेश में बिजली क्षेत्र का निजीकरण इसका ताजा तरीन उदाहरण

है। इसके खिलाफ लड़ने वाले बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों का बर्बर दमन इस सरकार में किया गया है।

सम्मेलन में मंत्री तेजधारी गुप्ता ने रिपोर्ट रखी। इसमें कहा गया कि लेबर कोड आधुनिक गुलामी के दस्तावेज हैं। इन कोडो में 200 साल के संघर्षों से हासिल काम के घंटे 8 को बढ़ाकर 12 कर दिया गया है। फिक्स टर्म इम्पलाइमेंट लाकर जो थोड़ी बहुत सामाजिक सुरक्षा मजदूरों को थी वह भी छीन ली गई। फ्लोर लेवल वेज न्यूनतम मजदूरी से भी कम दर पर तय की गई है। ट्रेड यूनियन बनाने और प्रतिवाद दर्ज करने का लोकतांत्रिक अधिकार खत्म कर दिया गया है। सर्वोपरि श्रम विभाग की एनफोर्समेंट की शक्ति को खत्म कर फैसिलिटेटर बना दिया गया है, जिससे आने वाले समय पर मजदूरों को न्यूनतम राहत मिलना भी मुश्किल हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया कि प्रदेश में 10 सालों से न्यूनतम मजदूरी का वेज रिवीजन नहीं हुआ है। हालत इतनी बुरी है कि हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद जनपद के तमाम खतरनाक श्रेणी के उद्योगों में अभी भी मजदूरों को सुरक्षा उपकरण नहीं दिए जा रहे हैं। पूरी जिंदगी उद्योग में देने वाले 60 साल की उम्र में रिटायर हो रहे मजदूरों को ग्रेच्युटी तक की सुविधा नहीं दी जाती है। इस पर पूरे जिले में जन संवाद अभियान चलाने और मजदूरों को जागरूक करने का निर्णय भी सम्मेलन में लिया गया।

सम्मेलन में वार्षिक चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें सर्वसम्मत से तीरथराज यादव को जिला अध्यक्ष और तेजधारी गुप्ता को जिला मंत्री चुना गया। इसके अलावा मंगरु प्रसाद श्याम को उपाध्यक्ष, मोहन प्रसाद को संयुक्त मंत्री, शेख इम्तियाज को प्रचार मंत्री, अंतलाल खरवार को कार्यालय मंत्री और इंद्रदेव खरवार को कोषाध्यक्ष चुना गया और 15 सदस्यी कार्यकारिणी का भी चुनाव हुआ।

'उम्मीद की उड़ान': लखनऊ में कैंसर वॉरियर्स और सर्वाइवर्स के सम्मान में एल.सी.डब्ल्यू.डब्ल्यू. ने आयोजित किया भव्य कार्यक्रम

लखनऊ, 22 फरवरी, 2026 झ लखनऊ कनेक्शन वर्ल्ड वाइड (LCWW) ग्रुप द्वारा आज महानगर के एक प्रतिष्ठित होटल में "उम्मीद की उड़ान" नामक एक अत्यंत भावुक और ऊर्जा से भरपूर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिन भर चले इस कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना के साथ हुई, जिसने कैंसर वॉरियर्स और सर्वाइवर्स के अदम्य साहस को सलाम करने के लिए एक शानदार मंच प्रदान किया।

उपचार में जागरूकता और पारिवारिक सहयोग का महत्व

सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. लोकेन्द्र गुप्ता (हेड, इमरजेंसी एंड ट्रॉमा सर्विसेज, मेदांता अस्पताल) ने महत्वपूर्ण चिकित्सा जानकारी साझा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैंसर का समय पर पता चलना ही इस जानलेवा बीमारी के सफल इलाज की कुंजी है। डॉ. गुप्ता ने कहा कि कैंसर रोगियों के लिए परिवार के सदस्यों, दोस्तों और देखभाल करने वालों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है; मरीजों को उनके प्रियजनों द्वारा क्वालिटी टाइम और भावनात्मक समर्थन दिया जाना अनिवार्य है।

एल.सी.डब्ल्यू.डब्ल्यू. के संस्थापक श्री सुनील मिश्रा ने इस नेक कार्य का हिस्सा बनने पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने बीमारी की गंभीरता पर चर्चा करते हुए कहा कि कैंसर भले ही मानवीय सहनशक्ति की परीक्षा लेने

वाला एक कठिन शत्रु है, लेकिन एकता और अटूट विश्वास सबसे अंधेरे रास्तों को भी रोशन कर सकते हैं।

एकजुटता और साहस की 'रैंप वॉक', सामुदायिक समर्थन के एक शक्तिशाली प्रदर्शन में, कैंसर सर्वाइवर्स और वॉरियर्स ने मुख्य अतिथि डॉ. लोकेन्द्र गुप्ता, संस्थापक सुनील मिश्रा और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ हाथों में हाथ डालकर रैंप वॉक किया। एकजुटता के इस प्रतीकात्मक प्रदर्शन में सुधीर कुमार श्रीवास्तव, मृदुला पांडे, अंकिता गुप्ता, सलमान बेग और अन्य ने भाग लिया।

इस भावुक वॉक के बाद, डॉ. लोकेन्द्र गुप्ता ने कैंसर सर्वाइवर्स को उनकी वीरता और जुझारूपन के लिए सम्मानित किया।

दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि

एक मार्मिक क्षण में, उन सदस्यों को याद किया गया जिन्होंने इस बीमारी से बहादुरी से लड़ाई लड़ी लेकिन जंग हार गए। राजीव शर्मा (दिवंगत अंजलि शर्मा के पति) और विभा तारा श्री (दिवंगत दीप्ति श्रीवास्तव की बहन) ने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए, जिससे संघर्ष की वास्तविकता और गहराई का पता चला।

जीवन का उत्सवः फैशन शो और पुरस्कार वितरण

कार्यक्रम के अगले चरण में एक जीवंत फैशन शो और रैंप वॉक का आयोजन हुआ, जिसमें सदस्यों ने 'सिंगल्स' और 'कपल्स' श्रेणियों में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

फैशन शो के विजेताः

सिंगल्सः सुश्री अंजू यादव (विजेता), श्रीमती पूजा टंडन (प्रथम उपविजेता), और श्रीमती रचना मिश्रा (द्वितीय उपविजेता)।

कपल्सः श्रीमती साधना श्रीवास्तव और श्री ज्योति प्रकाश श्रीवास्तव।

उत्कृष्ट सेवा सम्मानः

डॉ. लोकेन्द्र गुप्ता ने समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए नीमा पंत, निमिषा सोनकर, शैलेंद्र सिंह, डॉ. पल्लवी तिवारी, डॉ. पदम दीक्षित, प्रतिमा सोनकर, वीनू चड्ढा, मोनिका साई, शिल्पी सक्सेना और रविकर सक्सेना को सम्मानित किया।

गरीबों का मसीहा, मजलूमों का सहारा, लखनऊ के सोनू सूद बने नेता नदीम सिद्दीकी

मसीहा बदला है, पर मकसद आज भी वही है, गरीबों की थाली में रोटी और सर पर स्वाभिमान की छत,

मोहम्मद सैफ,

लखनऊ की तहजीब में जहाँ बड़े-बड़े नवाबों और हुक्मरानों के किस्से मशहूर हैं, वहीं एक कहानी उन गलियों की भी है जहाँ पसीने की खुशबू और ईमानदारी की रोटी पलती है। इस कहानी के दो सबसे बड़े नायक हैं, एक जिन्होंने नींव रखी, अब्दुल रफीक खान, और दूसरे जिन्होंने इस नींव पर उम्मीदों का महल खड़ा किया, नेता नदीम सिद्दीकी।

एक वक्त था जब लखनऊ के साप्ताहिक बाजारों पर संकट के बादल मँडराते थे। गरीब पटरी दुकानदारों को उजाड़ने की कोशिशें होती थीं। तब मरहूम अब्दुल रफीक खान एक ढाल बनकर खड़े हुए। उन्होंने अपना पूरा जीवन इन बेजुबानों की आवाज बनने में लगा दिया। उनके इंतकाल के बाद लगा कि शायद अब गरीबों का कोई पुरसाहाल न होगा, लेकिन कुदरत को कुछ और ही मंजूर था।

जब अंधेरा गहराने लगा, तब अध्यक्ष नदीम सिद्दीकी का उदय हुआ। आज लखनऊ के गलियारों में एक ही नाम गूँजता है, अध्यक्ष नदीम सिद्दीकी, लोग उन्हें सिर्फ एक नेता या अध्यक्ष नहीं मानते, बल्कि उन्हें लखनऊ का सोनू सूद और गरीबों का मसीहा कहते हैं। और यह खिताब उन्हें खैरात में नहीं, बल्कि उनके बेमिसाल जज्बे और खून-पसीने की मेहनत से मिला है।

आलमबाग बारा-बिरवा में लगने वाली मंगलवार बाजार जब उजड़ी गई, तो हजारों चूल्हे बुझने वाले थे। अगर उस वक्त नेता नदीम सिद्दीकी व उनकी टीम न होते, तो शायद आज हजारों परिवार फाकाकशी व भुखमरी के शिकार हो जाते। प्रशासन का दबाव और जगह की किल्लत, चुनौतियां पहाड़ जैसी थीं, लेकिन नेता नदीम का हौसला आसमान से ऊँचा था।

उन्होंने अपनी रातों की नींद हराम कर दी ताकि कोई दुकानदार भूखा न सोए। तब साप्ताहिक बाजार दुकानदार कल्याण समिति के अधिकारी एवं सदस्य और नेता नदीम सिद्दीकी ने पीडब्ल्यूडी कॉलोनी, बंगला बाजार

आशियाना में जिस खूबसूरती और हक के साथ उन्होंने एक-एक दुकानदार को जमीन पर जगह दिलाई, वह किसी करिश्मे से कम नहीं है। आज वहां बाजार सिर्फ लग नहीं रही, बल्कि चहक रही है। हर दुकानदार की आंखों में जो चमक है, उसका श्रेय सिर्फ और सिर्फ अध्यक्ष नदीम सिद्दीकी की नेकदिली को जाता है।

अध्यक्ष नदीम साहब की सबसे बड़ी खूबी उनकी सादगी और सुलभता है। जहाँ बड़े पदों पर बैठे लोग गरीबों को पहचानते तक नहीं, वहीं नेता नदीम सिद्दीकी हर छोटे दुकानदार के दुख-दर्द में उसके कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहते हैं।

चाहे किसी की बेटी की शादी हो, चाहे किसी बीमार का इलाज या फिर पुलिस-प्रशासन का कोई झमेला, वे एक फोन कॉल पर हाजिर हो जाते हैं। लोग कहते हैं कि अगर आज यह संगठन जिंदा है और बाजार लग रहे हैं, तो यह नेता नदीम सिद्दीकी की मसीहाई का ही असर है, वरना भूखे मरते इन गरीबों का कोई पुरसाहाल न होता।

अब्दुल रफीक खान साहब ने जो बीज बोया था, उसे अध्यक्ष नदीम सिद्दीकी ने अपनी ममता और मेहनत से एक विशाल वटवृक्ष बना दिया है। आज लखनऊ के साप्ताहिक बाजार के हजारों दुकानदार हाथ उठाकर उनके लिए दुआएं करते हैं, नदीम सिद्दीकी सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि उन हजारों परिवारों की आखिरी उम्मीद हैं, जिनके घर का दीया इन बाजारों की बदौलत जलता है। सच ही है, फरिश्ते आसमान से नहीं उतरते, वे नदीम सिद्दीकी जैसे इंसानों के रूप में हमारे बीच ही रहते हैं।

बॉक्स में,

चिराग बुझते हैं मगर रोशनी नहीं मरती, विरासत वही है जो गरीबों के काम आती है।

कैसे बारा-बिरवा से हटी बाजार को नेता नदीम सिद्दीकी ने अपनी ईमानदारी से दोबारा आबाद किया?

क्या एक संगठन का अध्यक्ष केवल नेता होता है या परिवारों का रक्षक भी?

अब्दुल रफीक खान के उसूलों को नदीम सिद्दीकी ने कैसे बनाया एक विशाल वटवृक्ष?

कौन था वो शख्स जिसने अपनी पूरी जिंदगी गरीबों की पटरी बचाने में लगा दी?

अब्दुल रफीक खान के बाद किसने संभाली इन हजारों बुझते हुए चूल्हों की जिम्मेदारी?

क्यों आज साप्ताहिक बाजार के दुकानदार नदीम सिद्दीकी को अपना सोनू सूद और मसीहा मानते हैं?

पश्चिम शरीरा पुलिस ने चोरी की घटनाओं का किया खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

कौशांबी पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पश्चिम शरीरा पुलिस को सफलता मिली है। थाना अध्यक्ष हरीश तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चोरी की घटनाओं से संबंधित वांछित अभियुक्त सलीम अहमद को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के कब्जे से एक टीवी, एक साउंड सिस्टम तथा नकद धनराशि बरामद की गई। पूछताछ में उसने अपने साथी के साथ मिलकर क्षेत्र में कई चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद अभियुक्त को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

कौशाम्बी मे पीडब्ल्यूडी की बड़ी लापरवाही अधूरी और घटिया सड़क बनी हादसों का कारण,बेनपुर-कटैया मार्ग पर पलट रहीं गाड़ियां

कौशाम्बी जिले के नेंवादा ब्लॉक अंतर्गत बेनपुर से कटैया गांव तक बन रही सड़क में भारी अनियमितता और ठेकेदार की लापरवाही उजागर हुई है। लाखो की लागत से बन रही इस सड़क का निर्माण कार्य न तो तय समय पर पूरा हुआ और न ही गुणवत्ता के मानकों पर खरा उतर रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग किया गया है। कई स्थानों पर गिट्टी उखडी है सड़क जगह-जगह धंसी है। स्थिति इतनी खराब है कि इसी मार्ग से गुजरने वाली बालू खनन की गाड़ियां असंतुलित होकर आए दिन पलट रही हैं, जिससे बड़ा हादसा होने का खतरा बना हुआ है सूत्रों के अनुसार इस सड़क का निर्माण कार्य दिसंबर 2025 तक पूर्ण होना था, लेकिन समय सीमा गुजर जाने के बाद भी सड़क अधूरी पड़ी है। निर्माण की धीमी गति और गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं इस मार्ग से बालू लदे ट्रक और डंपर गुजरते हैं। सड़क की जर्जर हालत के कारण वाहनों के फंसने और पलटने की घटनाएं बढ़ गई हैं, जिससे खनन कार्य भी प्रभावित हो रहा है। चालक और स्थानीय लोग जान जोखिम में डालकर यात्रा करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने पीडब्ल्यूडी विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि बिना गुणवत्ता जांच के भुगतान किया जा रहा है और ठेकेदार को खुली छूट दी गई है। यदि समय रहते उच्च स्तरीय जांच कराकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं की गई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। अब देखना यह है कि प्रशासन और पीडब्ल्यूडी विभाग इस गंभीर मामले में क्या कार्रवाई करता है या फिर लापरवाही यूं ही जारी रहेगी।